SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

स्टेट बैंक ऑफ बीकानेर एण्ड जयपुर
STATE BANK OF BIKANER AND JAIPUR

वार्षिक प्रतिवेदन
ANNUAL REPORT
2000-2001

www.reportjunction.com

SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

बैंक की दृष्टि एवं लक्ष्य - Vision and Mission

दृष्टि (विजन) :

''ग्राहक सेवा में उत्कृष्टता, अंशधारियों की पूंजी में सतत अभिवृद्धि और समाज के आर्थिक कल्याण में योगदानरत एवं मूल्यों के लिए प्रतिबद्ध एक आधुनिक बैंक बनना।''

VISION :

"To be a values driven modern bank aspiring for excellence in customer service, perpetually enhancing shareholders value and contributing to the economic development of society."

Report Junction.com

लक्ष्य (मिशन) :

''सर्वोत्तम, व्यक्तिगत व उच्च स्तरीय ग्राहक सेवा प्रदान करने हेतु आधुनिक प्रोद्योगिकी द्वारा अपने स्टॉफ को समर्थ बनाते हुए एवं व्यवसाय में सतत लाभप्रद अभिवृद्धि प्राप्त कर अपने अंशधारियों की पूंजी बढ़ाते हुए समाज के कल्याण में योगदान कर देशभर में अपनी उपस्थिति के साथ राजस्थान का शीर्ष बैंक बने रहना।''

MISSION :

"To Continue to be a premier bank of Rajasthan with all India presence, committed to empower its personnel for providing excellent, personalised and quality customer service by adoption of modern technology, achieving sustained and profitable growth in business thereby increasing shareholders value and contributing to the welfare of the society."

www.reportjunction.com

SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

सूचना

स्टेट बैंक ऑफ बीकानेर एण्ड जयपुर

(भारतीय स्टेट बैंक का सहयोगी)

भारत में विशिष्ट कानून के अन्तर्गत निगमित।
सदस्यों का दायित्व सीमित है।

एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि स्टेट बैंक ऑफ बीकानेर एण्ड जयपुर के अंशधारकों की चालीसवीं वार्षिक साधारण सभा **बिड़ला ऑडिटोरियम, स्टेच्यु सर्किल के पास, जयपुर में शनिवार, दिनांक 14 जुलाई, 2001 को प्रात: 11.30 बजे** (मानक समय) आयोजित की जावेगी, जिसमें 1 अप्रैल, 2000 से 31 मार्च, 2001 तक की अवधि के बैंक के तुलन-पत्र एवं लाभ और हानि खाता, इसी अवधि में बैंक के कार्यकरण एवं क्रियाकलापों पर निदेशकों के प्रतिवेदन तथा तुलन-पत्र व लेखों के सम्बन्ध में संपरीक्षकों के प्रतिवेदन पर विचार किया जावेगा।

मण्डल के आदेशानुसार

मुम्बई
जून 11, 2001

मधुकर
प्रबन्ध निदेशक

Notice

State Bank of Bikaner & Jaipur

(Associate of the State Bank of India)

Incorporated in India under special statute.
The liability of the members is limited.

NOTICE is hereby given that the Fortieth Annual General Meeting of the shareholders of State Bank of Bikaner and Jaipur will be held in the **Birla Auditorium, Near Statue Circle, Jaipur on Saturday, the 14th July, 2001 at 11.30 A.M.** (Standard Time) to discuss the Balance Sheet and Profit & Loss Account of the Bank, the report of the Directors on the working and activities of the Bank and the Auditors' Report on the Balance Sheet and Accounts for the period from 1st April, 2000 to 31st March, 2001.

By Order of the Board

MUMBAI
June 11, 2001

Madhukar
Managing Director

www.reportjunction.com

SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

विषय सूची **CONTENTS**

उल्लेखनीय तथ्य	03
Highlights	03
निदेशक मण्डल	04
Board of Directors	05
निदेशक मण्डल का प्रतिवेदन	06
Directors' Report	07
तुलन-पत्र	30
Balance Sheet	30
लाभ-हानि खाता	32
Profit & Loss Account	32
अनुसूचियाँ	34
Schedules	34
प्रमुख लेखा नीतियां	52
Principal Accounting Policies	53
लेखा परीक्षकों का प्रतिवेदन	56
Auditors' Report	57
लेखा परीक्षकों के प्रतिवेदन पर प्रबंधन की टिप्पणी	58
Comments of the management on the Auditors' Report	59
नकदी प्रवाह विवरण	60
Cash Flow Statement	60

उन्नति का एक गतिशील दशक 1992-2001
A Dynamic Decade of Progress 1992-2001

(रुपये करोड़ में)
(Rs. in Crores)

संकेतक Indicators	पूंजी एवं आरक्षितियां Capital & Reserves	कुल व्यवसाय Total Business	हानिप्रद शाखाएं Loss making Branches	सकल उपार्जन Operating Profit	निवल लाभ Net Profits	शाखाओं की संख्या No. of Branches	प्रति कर्मचारी औसत व्यवसाय Average Business per Employee
मार्च March 1992	57.49	4187	107	95.76	9.50	701	0.30
मार्च March 1993	65.08	4860	106	47.47	10.50	709	0.35
मार्च March 1994	68.46	5551	113	46.82	6.50	733	0.37
मार्च March 1995	73.38	6459	86	72.73	8.04	740	0.40
मार्च March 1996	157.81	7500	50	112.25	25.79	753	0.47
मार्च March 1997	193.48	8866	31	156.93	40.48	771	0.55
मार्च March 1998	344.12	10493	13	195.92	90.48	774	0.63
मार्च March 1999	419.35	12223	14	162.12	91.88	787	0.74
मार्च March 2000	523.12	14018	10	237.88	120.42	794	0.86
मार्च March 2001	609.20	16065	7	268.30	105.37*	799	1.05

*वर्ष के दौरान स्वैच्छिक सेवा निवृति के कारण रूपये 45.73 करोड़ के भार के बाद After VRS outgo of Rs. 45.73 crores during the year.

www.reportjunction.com

SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

उल्लेखनीय तथ्य Highlights 2000-2001	(रुपये करोड़ में) (Rs. in Crores)
कुल व्यवसाय अन्तर-बैंक जमाओं सहित Total Business including inter-bank deposits	16065.02
जमा राशियां Deposits	10326.08
अग्रिम (निवल) Advances (Net)	5168.13
निवेश Investments	5324.73
शुद्ध लाभ Net Profit	105.37
जमाओं की लागत Cost of Deposits	8.05%
अग्रिमों पर आय Yield on Advances	11.10%
शुद्ध ब्याज अन्तर Net Interest Margin	3.29%
प्रदत्त पूंजी एवं आरक्षितियाँ Paid-up Capital & Reserves	609.20
प्रति अंश आय (रुपयों में) Earning per Share (in Rs.)	210.74
प्रति अंश पुस्तक मूल्य (रुपयों में) Book Value per Share (in Rs.)	1218.40
पूंजी पर्याप्तता अनुपात Capital Adequacy Ratio	12.39%
आच्छादन अनुपात Coverage Ratio	1.14%
लाभांश दर Dividend Rate	35.00%
सकल गैर-निष्पादित आस्तियां Gross Non Performing Assets	715.00
सकल गैर-निष्पादित आस्तियां प्रतिशत Gross NPA %	12.91%
निवल गैर-निष्पादित आस्तियां प्रतिशत Net NPA %	7.83%
प्राथमिकता क्षेत्र को अग्रिम Advances to Priority Sector	2368.78
कृषि क्षेत्र को अग्रिम Advances to Agriculture	821.23
लघु उद्योग क्षेत्र को अग्रिम Advances to Small Scale Industries	907.05
लघु व्यवसाय अग्रिम Advances to Small Business	570.55
किसान क्रेडिट कार्डों की कुल संख्या Total number of Kisan Credit Cards	41749
निर्यात वित्त Export Finance	570.71
सात सेवा शाखाओं सहित कुल शाखाओं की संख्या No. of branches including seven service branches	799
पूर्णत: कम्प्यूटीकृत शाखाओं की संख्या No. of fully computerised branches	175
कर्मचारियों की संख्या Number of Employees	13392
औसत प्रति कर्मचारी व्यवसाय Average business per employee	1.05

www.reportjunction.com

SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

निदेशक मण्डल

श्री जानकी बल्लभ, **अध्यक्ष,** भारतीय स्टेट बैंक, केन्द्रीय कार्यालय, मादाम कामा रोड, मुम्बई.	भारतीय स्टेट बैंक (समनुषंगी बैंक) अधिनियम, 1959 की धारा 25 की उपधारा (1) के खण्ड (ए) के अधीन पदेन अध्यक्ष
श्री रमेश चन्द्र, क्षेत्रीय निदेशक, भारतीय रिज़र्व बैंक, टोंक रोड, जयपुर	अधिनियम की धारा 25 (1) के खण्ड (बी) के अधीन भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा मनोनीत
श्रीमति निर्मल जैन, उप महाप्रबंधक, भारतीय रिज़र्व बैंक, टोंक रोड, जयपुर	अधिनियम की धारा 25 (3) के अधीन भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा मनोनीत
श्री डी. पी. राय, उप-प्रबन्ध निदेशक एवं समूह कार्यपालक (सहयोगी एवं समनुषंगी समूह), भारतीय स्टेट बैंक, केन्द्रीय कार्यालय, मुम्बई.	
श्री ए.आर. समाजदार, महाप्रबन्धक, (सहयोगी एवं समनुषंगी समूह), भारतीय स्टेट बैंक, केन्द्रीय कार्यालय, मुम्बई.	अधिनियम की धारा 25 की उपधारा (1) के खण्ड (सी) के अधीन भारतीय स्टेट बैंक द्वारा मनोनीत
श्री एम.एन. राव, उप महाप्रबन्धक, सहयोगी बैंक विभाग, भारतीय स्टेट बैंक, केन्द्रीय कार्यालय, मुम्बई.	
श्री मधुकर, **प्रबन्ध निदेशक,** स्टेट बैंक ऑफ बीकानेर एण्ड जयपुर, प्रधान कार्यालय, तिलक मार्ग, जयपुर.	अधिनियम की धारा 25 की उपधारा (1) के खण्ड (एए) के अधीन मनोनीत
डॉ. रंजना, 48, संग्राम कॉलोनी, सी-स्कीम, जयपुर.	अधिनियम की धारा 25 की उपधारा (1) के खण्ड (सी) के अधीन भारतीय स्टेट बैंक द्वारा मनोनीत
श्री भीकम चन्द अग्रवाल, द्वारा दलजीता इन्वेस्टमेंट्स (प्राइवेट) लिमिटेड 81, मेकर्स चेम्बर III, 223, नरीमन पोइन्ट मुम्बई - 400 021.	
श्री एम.के. पटोदिया, पटोदिया हाऊस, म.न. 145, रोड नं. 3, बंजारा हिल्स, हैदराबाद.	अधिनियम की धारा 25 की उपधारा (1) के खण्ड (डी) के अधीन चयनित निदेशक
श्री वी.पी. ग्रोवर, वरिष्ठ अनुसंधान अधिकारी, भारत सरकार, वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग, (बैंकिंग प्रभाग) संसद मार्ग, नई दिल्ली.	अधिनियम की धारा 25 की उपधारा (1) के खण्ड (ई) के अधीन केन्द्रीय सरकार द्वारा मनोनीत
श्री के.के. सैनी, मुख्य प्रबन्धक, स्टेट बैंक ऑफ बीकानेर एण्ड जयपुर, सचिवालय शाखा, जयपुर.	अधिनियम की धारा 26 की उपधारा (2ए) के साथ पठित धारा 25 की उपधारा (1) के खण्ड (सीबी) के अधीन केन्द्रीय सरकार द्वारा मनोनीत

BOARD OF DIRECTORS

Shri Janki Ballabh, **Chairman,** State Bank of India, Central Office, Madame Cama Road, Mumbai.	Chairman, ex-officio under clause (a) of sub-section (1) of section 25 of the State Bank of India (Subsidiary Banks) Act, 1959.
Shri Ramesh Chander, Regional Director, Reserve Bank of India, Tonk Road, Jaipur.	Nominated by the Reserve Bank of India under clause (b) of sub-section (1) of section 25 of the Act.
Smt. Nirmal Jain, Dy. General Manager, Reserve Bank of India, Tonk Road, Jaipur.	Nominated by the Reserve Bank of India under section 25 (3) of the Act
Shri D.P. Roy, Dy. Managing Director & Group Executive (A&S Group), State Bank of India, Central Office, Mumbai.	
Shri A.R. Samajdar, General Manager (A&S Group), State Bank of India Central Office, Mumbai.	Nominated by the State Bank of India under clause (c) of sub-section (1) of section 25 of the Act.
Shri M.N. Rao, Dy. General Manager, Associates Banks Department, State Bank of India, Central Office, Mumbai.	
Shri Madhukar, **Managing Director,** State Bank of Bikaner and Jaipur, Head Office, Tilak Marg, Jaipur.	Nominated under clause (aa) of sub-section (1) of section 25 of the Act.
Dr. Ranjana, 48, Sangram Colony, C-Scheme, Jaipur.	Nominated by the State Bank of India under clause (c) of sub-section (1) of section 25 of the Act.
Shri Bhikam Chand Agarwal, C/o Daljita Investments (P) Ltd. 81, Makers Chamber III, 223, Nariman Point, Mumbai - 400 021	
Shri M.K. Patodia, Patodia House, H.No. 145, Road No. 3, Banjara Hills, Hyderabad.	Elected Director under clause (d) of sub-section (1) of section 25 of the Act.
Shri V.P. Grover, Sr. Research Officer, Government of India, Ministry of Finance, Deptt. of Economic Affairs (Banking Division), Parliament Street, New Delhi.	Nominated by the Central Government under clause (e) of sub-section (1) of section 25 of the Act.
Shri K.K. Saini, Chief Manager, State Bank of Bikaner and Jaipur, Secretariat Branch, Jaipur.	Nominated by the Central Govt. under clause (cb) of sub-section (1) of section 25 read with sub-section (2A) of section 26 of the Act.

www.reportjunction.com

SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

निदेशक मण्डल
BOARD OF DIRECTORS

श्री जानकी बल्लभ
अध्यक्ष
Shri Janki Ballabh
Chairman

श्री मधुकर
प्रबन्ध निदेशक
Shri Madhukar
Managing Director

श्री रमेश चन्द्र
Shri Ramesh Chander

श्रीमति निर्मल जैन
Smt. Nirmal Jain

श्री डी.पी. राय
Shri D.P. Roy

श्री ए. आर. समाजदार
Shri A. R. Samajdar

श्री एम.एन. राव
Shri M.N. Rao

डॉ. रंजना
Dr. Ranjana

श्री भीकम चन्द अग्रवाल
Shri Bhikam Chand Agarwal

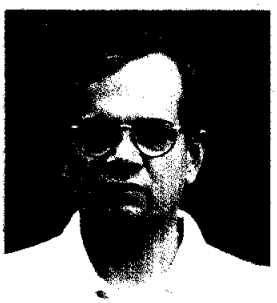

श्री एम. के. पटोदिया
Shri M.K. Patodia

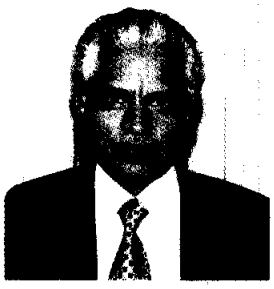

श्री वी.पी. ग्रोवर
Shri V.P. Grover

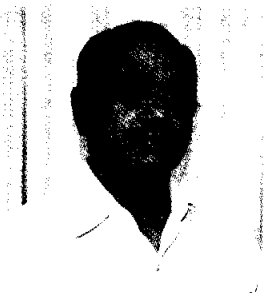

श्री के.के. सैनी
Shri K.K. Saini

www.reportjunction.com

SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

भारतीय स्टेट बैंक (समनुषंगी बैंक) अधिनियम, 1959 की धारा 43(1) के निबन्धनों के तहत भारतीय स्टेट बैंक, भारतीय रिज़र्व बैंक एवं भारत सरकार को निदेशक मण्डल का प्रतिवेदन

प्रतिवेदन की अवधि : 1 अप्रैल, 2000 से 31 मार्च, 2001

स्टेट बैंक ऑफ बीकानेर एण्ड जयपुर के निदेशक मण्डल को बैंक के 31 मार्च 2001 को समाप्त होने वाले वर्ष का वार्षिक प्रतिवेदन, तुलन पत्र एवं आय-व्यय खातों के साथ प्रस्तुत करते हुए प्रसन्नता है।

भारतीय अर्थव्यवस्था

केन्द्रीय सांख्यिकीय संगठन (सीएसओ) ने वर्ष 2000-01 के सकल घरेलू उत्पाद में 6% की वृद्धि दर अनुमानित की है जो कि गत वर्ष 1999-2000 मे 6.4% थी। सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि दर में कमी का मुख्य कारण सेवा क्षेत्र में वर्ष 1999-2000 में हुई 9.4% वृद्धि की तुलना में वर्ष 2000-01 में 8.4% की ही वृद्धि का होना है। वृद्धि में गिरावट के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था क्रयशक्ति समता ''पीपीसी'' समायोजित सकल घरेलू उत्पाद में विश्व की पांचवी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था आंकी गई है एवं इसे विश्व में तीव्रतम गति से विकासशील अर्थव्यवस्था होने की विशिष्टता प्राप्त है। गत दो वर्षों में कच्चे तेल के अंतर्राष्ट्रीय मूल्यों में वृद्धि के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था ने इससे उबरने में उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की है। जबकि कृषि और संबद्ध क्षेत्रों में वर्ष 1999-2000 की 0.7% वृद्धि की अपेक्षा वर्ष 2000-01 में 0.9% वृद्धि का अनुमान है। औद्योगिक क्षेत्र में 6.1% वृद्धि का अनुमान है जो कि गत वर्ष के बराबर है।

वर्ष 2000-2001 में राजकोषीय घाटा सकल घरेलू उत्पाद का 5.1% अनुमानित है जबकि वर्ष 1999- 2000 में यह 5.4% था। राजकोषीय घाटे को और नियंत्रित करने के लिए लोकसभा में राजकोषीय जिम्मेदारी और बजट प्रबन्धन विधेयक 2000 प्रस्तुत किया गया। इस विधेयक से राजस्व घाटे को मिटाने में, राजकोषीय घाटे में कमी करने, लोक वित्त में वृद्धि दर बनाये रखने एवं स्थिर वित्त को सकल घरेलू उत्पाद के समानुपातिक रखने के लिए संस्थागत एवं विधिक आधार तैयार होगा। यह विधेयक भारतीय अर्थव्यवस्था को आने वाले समय में उन्नत करने में सहयोगी होगा।

2000-01 में देश की अर्थव्यवस्था के लिए आशाजनक बिन्दु निर्यात में अच्छी वृद्धि, व्यापार घाटे में कमी तथा विदेशी विनिमय कोष में वृद्धि है। वर्ष के दौरान निर्यातों में पिछले वित्तीय वर्ष की 11.7% वृद्धि की अपेक्षा इस वर्ष 17.6% वृद्धि तथा आयात में 10.5% के मुकाबले 7.9% वृद्धि अनुमानित है। लोचदार निर्यात एवं आयात में कमी के फलस्वरूप देश के व्यापार घाटे में उल्लेखनीय रूप से कमी आने की आशा है। मार्च 2000 के अंत में विदेशी विनिमय कोष 38 अरब डालर से बढ़कर मार्च 2001 के अंत तक 42 अरब डालर के सुविधाजनक स्तर पर पहुंच गया। संयुक्त राज्य अमेरिका तथा जापान की अर्थव्यवस्थाओं में मंदी एवं अनेक मदों से 'मात्रात्मक प्रतिबंध' हटने से भारतीय अर्थव्यवस्था को निर्यात एंव आयात दोनों मोर्चों पर कड़ी विदेशी चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा।

31 मार्च 2001 को 'एम (3)' में 16.2% की वृद्धि हुई जो कि गत वर्ष हुई 14.6% वृद्धि से अधिक है। वर्ष 2000-01 मे भारतीय रिज़र्व बैंक की विवेकपूर्ण मौद्रिक एवं अग्रिम नीति के फलस्वरूप मुद्रा स्फीति की वार्षिक दर 4.9% रही।

यद्यपि वर्ष 2001-02 में सरकार ने पूंजी बाजार को सक्रिय करने हेतु कई उपायों की घोषणा की लेकिन मार्च 2001 में शेयर मूल्यों में भारी गिरावट आई। शेयर बाजार में गिरावट का मुख्य कारण कुछ दलालों द्वारा भुगतान न कर पाना, भीतरघाती व्यापार व कीमतों में जोड़ तोड़ की अफवाह एवं नास्डेक (यू.एस.ए.) स्टाक एक्सचेंज के सूचकांक में गिरावट रही। 'सेबी' और भारतीय रिज़र्व बैंक पूंजी बाजार में निवेशकर्ताओं का विश्वास पुन: स्थापित करने के लिए आवश्यक कदम उठा रहे है।

राजस्थान का आर्थिक परिदृश्य

राजस्थान हमारे कार्य संचालन का मुख्य क्षेत्र है। यह अपनी समृद्ध संस्कृति के अलावा खनिजों में सम्पन्नता के कारण देश के औद्योगिक परिदृश्य पर तेजी से उभर रहा है। यहां के मुख्य उद्योग टैक्सटाईल, ऊन, संगमरमर, सीमेंट, काँच, जस्ता, बॉलबियरिंग इत्यादि है। राजस्थान में केन्द्रीय सरकार के कुछ महत्वपूर्ण उपक्रम जैसे कि देबारी (उदयपुर) में जस्ता पिघलाने का संयंत्र, खेतड़ी नगर (झुंझंनु) में तांबा संयंत्र एवं कोटा में प्रेसीजन इंस्ट्रुमेंट फैक्टरी हैं। राजस्थान का बहुमूल्य एवं अर्द्ध-बहुमूल्य धातु पत्थरों के प्रसंस्करण में प्रमुख स्थान है। इसके अलावा राजस्थान विश्व के पर्यटक मानचित्र पर भी अपना एक महत्वपूर्ण स्थान रखता है।

राजस्थान में 53 अनुसूचित वाणिज्यिक बैंको व 14 क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों की कुल 3315 शाखाएं कार्यरत हैं। हमारे बैंक की कुल 792 शाखाओं में से 656 शाखाएं राजस्थान में कार्य कर रही है। 31 मार्च, 2001 को हमारा बैंक राजस्थान में समस्त अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों के शाखा नेटवर्क, जमाओं व ऋणों में क्रमश: 19.73%,

क्रेडिट कार्ड जारी करने के अवसर पर राजस्थान के राज्यपाल माननीय अंशुमन सिंह जी

www.reportjunction.com

SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

Report of the Board of Directors to the State Bank of India, the Reserve Bank of India and the Government of India in terms of Section 43(1) of the State Bank of India (Subsidiary Banks) Act, 1959.

Period covered by the report : 1st April, 2000 to 31st March, 2001.

The Board of Directors of State Bank of Bikaner and Jaipur have pleasure in presenting the annual report together with Balance Sheet and Profit and Loss account of the Bank for the year ended 31st March 2001.

INDIAN ECONOMY

The Central Statistical Organisation (CSO) estimates the GDP growth at 6% during 2000-01 as compared to the growth of 6.4% achieved in 1999-2000. The deceleration of overall GDP is mainly due to decline in the growth rate of Services Sector from 9.4% in 1999-2000 to 8.4% in 2000-2001. Despite deceleration of growth, India has the distinction of being one of the fastest growing economies in the World and the world's 5th largest economy measured in terms of Purchasing Power Parity (PPP) adjusted GDP. The Indian Economy has shown remarkable resilience in the wake of substantial increase in the international price of crude oil over the last two years. While agriculture and allied sectors are expected to register a marginal growth of 0.90% during 2000-01 against 0.70% in 1999-2000, the industrial sector is estimated to register growth of 6.1% during 2000-01 which is at par with the growth achieved during 1999-2000.

Reduction in fiscal deficit from 5.40% of the GDP in 1999-2000 to 5.10% in 2000-01 is estimated. However, to keep the fiscal deficit further under control, the Fiscal Responsibility and Budget Management Bill 2000 has been introduced in the Lok Sabha. This Bill will provide a legal and institutional framework to eliminate revenue deficit, bring down the fiscal deficit, contain the growth of public debt and stabilise debt as a proportion of GDP in a time frame. This Bill will help to improve the Indian economy in times to come.

A silver lining in the country's economy during 2000-01 has been the robust growth of exports, a lower trade deficit and increasing forex reserves. During the year exports are estimated to rise by about 17.6% - much higher than the 11.7% growth during 1999-2000 and imports estimated to rise by 7.9% against 10.5% growth in the last fiscal. As a result of buoyant exports and slow down in imports, the country's trade deficit is expected to come down considerably. The forex reserves as of March 2001 are comfortably placed at over $ 42 bn compared with $ 38 bn as of March 2000. Slow down of USA and Japanese economy and removal of Quantitative Restrictions (QR) on several items may, however, affect the Indian Economy both on the export and import fronts.

As of 31st March 2001, annual expansion in M(3) was 16.2% as against 14.6% a year ago. The annual rate of inflation was 4.9% in 2000-01 as a result of prudent monetary policies of RBI.

Though the Govt. in the budget 2001-02 announced several measures to boost the capital market, the stock prices crashed considerably in March 2001. The crash was mainly due to default in payments by some brokers, rumours of insider trading and price rigging and also fall in the stock index of NASDAQ (USA). SEBI & RBI are taking necessary steps to retain the confidence of investors in the capital market.

ECONOMIC ENVIRONMENT IN RAJASTHAN

Rajasthan is our main area of operations. Endowed with a rich culture, Rajasthan is also rich in minerals and is fast emerging on the industrial scenario of the country. Major industries are textiles, wool, marble, cement, glass, zinc, ball-bearings etc. Some of the important Central Government undertakings are Zinc Smelter Plant at Debari (Udaipur), copper Plant at Khetri Nagar (Jhunjhunu) and Precision Instrument factory at Kota. Rajasthan occupies a leading role in processing of precious and semi-precious stones. Rajasthan also occupies an important position in the tourist map of the world.

There are 53 scheduled commercial

Hon'ble Governor of Rajasthan Anshuman Singh Ji at Launching of Credit Card

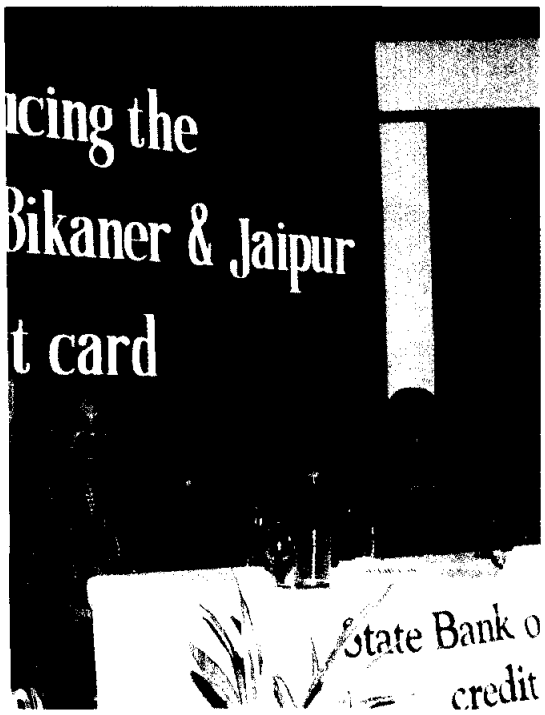

www.reportjunction.com

SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

27.62% एवं 24.57% के बाजार अंश के साथ राजस्थान का सबसे बड़ा व्यावसायिक बैंक रहा। राजस्थान में हमारा साख जमा अनुपात 31.3.2000 के 44.11% से बढ़कर 31.3.2001 को 44.59% हो गया है तथा ऋण व निवेश का जमाओं से अनुपात 31.3.2001 को 53% रहा।

राजस्थान का आर्थिक स्तर अखिल भारतीय स्तर के मुकाबले काफी कम है। यह तथ्य अखिल भारतीय स्तर पर प्रति व्यक्ति बैंक जमाओं में रुपये 7493 एवं प्रति व्यक्ति ऋण में रुपये 3996 के स्तर की तुलना में राजस्थान की प्रति व्यक्ति बैंक जमाएं एवं प्रति व्यक्ति बैंक ऋण क्रमश: रुपये 4105 व रुपये 1800 की राशि में परिलक्षित होता है।

ग्रामीण और अर्द्ध-शहरी क्षेत्रों में कृषि और इससे संबंधित क्षेत्र ही आय के मुख्य स्त्रोत हैं, जबकि राज्य लगातार तीसरे वर्ष अकाल से ग्रस्त है। अकाल के कारण ही वर्ष 1999-2000 का कृषि उत्पादन 106.79 लाख टन से घटकर वर्ष 2000-01 मे 89.35 लाख टन रह गया। अकाल के फलस्वरूप राज्य के सकल घरेलू उत्पाद और प्रति व्यक्ति आय में वर्ष 1999-2000 की तुलना में क्रमश: 0.51% एवं 2.22% (स्थिर मूल्यों पर) गिरावट हुई। विपरीत परिस्थितियों के बावजूद हमारे बैंक ने राज्य के विकास में उल्लेखनीय योगदान दिया है एवं अपने कार्य निष्पादन में सुधार करने में भी समर्थ हुआ है।

राज्य की आर्थिक स्थिति सुधारने के लिए सरकार ने वर्ष 2001-02 के बजट में मूलभूत सुविधाओं जैसे सड़क, ऊर्जा, सूचना तकनीक एवं ग्रामीण विकास कार्यों को प्राथमिकता दी है। सितम्बर 2000 में राज्य के औद्योगिक विकास के लिए अनिवासी भारतीयों को आकर्षित करने के लिए "अन्तर्राष्ट्रीय राजस्थानी सम्मेलन" का आयोजन किया गया। इस सम्मेलन को हमारे बैंक ने सह-प्रायोजित किया। हमारा बैंक इस समारोह का आधिकारिक बैंक था।

लघु उद्योगों के लिए अखिल भारतीय संगठन "लघु उद्योग भारती" का क्षेत्रीय सम्मेलन भी बैंक द्वारा सह-प्रायोजित किया गया। सम्मेलन में 600 प्रतिनिधियों के अलावा केन्द्र व राज्यों के मंत्रीगण भी उपस्थित थे। हमारा बैंक रीको, राजस्थान वित्त निगम और सरकार तथा विकास एजेंसियों से निकट समन्वय स्थापित कर राज्य के विकास के लिए प्रतिबद्ध है।

ऋण

अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों के खाद्येतर ऋण गत वर्ष के 16.5% के विरुद्ध वर्ष 2000-01 में 14.4% की दर से बढ़े हैं। अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों के कुल ऋण वर्ष के दौरान 16.8% से बढ़े जबकि वर्ष 1999-2000 में इसमें 18.2% की वृद्धि हुई थी। अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों की सकल जमाएं गत वर्ष की 13.9% वृद्धि की तुलना में इस वर्ष 17.8% की दर से बढ़ी।

वित्तीय क्षेत्र मे हो रहे सुधारों की पृष्ठभूमि में भारतीय रिज़र्व बैंक ने अक्टूबर 2000 में पेश की गई अपनी वर्ष 2000-01 की मौद्रिक एवं ऋण नीति के अर्द्ध-वार्षिक पुनरावलोकन में बैंकिंग उद्योग को सशक्त करने के लिए कई कदम उठाए, जिनमें बैंकों के विनियोगों का तीन श्रेणियों में वर्गीकरण, गैर-निष्पादित आस्तियों में "गत देय" सिद्धान्त को समाप्त करना, मानक आस्तियों पर प्रावधान को द्वितीय-तल (टायर-2) पूंजी में रखना, दण्ड-ब्याज दर को विनियमन से मुक्त करना, शेयरों, परिवर्तनीय डिबेंचरों व पारस्परिक निधियों के अंशों में कुल निवेश बैंक के गत वर्ष 31 मार्च के कुल ऋणों के 5% से अधिक न होना तथा सूचना तकनीकों का "इनफिनेट" से एकीकरण शामिल हैं।

बैंकों की एनपीए की वसूली को प्रभावी बनाने हेतु वर्ष 2001-02 के प्रावधानों में "सीका" (रुग्ण औद्योगिक कम्पनी अधिनियम) को समाप्त करना, "बीआईएफआर" का विघटन करना, 7 ऋण वसूली न्यायाधिकरण की स्थापना तथा वसूली के लिए प्रतिभूतियों का पुरोवध तथा प्रवर्तन सुगमता से करने हेतु नया कानून बनाना शामिल हैं। बैंकिंग सेवा भर्ती मण्डलों को समाप्त कर बैंकों को अपने

प्रबन्ध निदेशक द्वारा जवानपुरा, जयपुर में तालाब गहरा करने में सहयोग

Managing Director helping in deepening the pond at Jawanpura, Jaipur

जवानपुरा, जयपुर में स्टॉफ सदस्यों के सहयोग से तालाब गहरा करने का कार्य

www.reportjunction.com